हिंदी शब्द रचना - उपसर्ग, प्रत्यय और समास

डॉ. दीप्ति धीर
सहायक प्रोफ़ेसर,
हिंदी विभाग ।

हिंदी शब्द रचना

शब्द रचना – शब्द रचना का आशय नये शब्दों का निर्माण, शब्दों की बनावट और शब्द-गठन से है । **हिन्दी** में दो प्रकार के **शब्द** होते हैं— रूढ और यौगिक। **शब्द रचना** की दृष्टि से केवल यौगिक **शब्दों** का अध्ययन किया जाता है। यौगिक शब्दों में ही उपसर्ग, प्रत्यय और समास का प्रयोग करके नये शब्दों की **रचना** होती है।

उपसर्ग – वे शब्दांश जो किसी शब्द के पहले जुड़ते हैं और उसके अर्थ को बदल देते हैं, उसे उपसर्ग कहते हैं ।

उदाहरण – ‘नाथ’ शब्द में यदि अ उपसर्ग जोड़ दिया जाएं तो नया शब्द ‘अनाथ’ हो जाएगा ।जिसका अर्थ होगा – जिसका कोई ना हो ।

इस प्रकार उपसर्ग लगाकर कई शब्द बनायें जाते हैं । जैसे –

उपसर्ग	मूल शब्द	नवीन शब्द
अ	विश्वास	अविश्वास
	धर्म	अधर्म
	चेतन	अचेतन

अप + मान = अपमान

वाद = अपवाद

वि + राग = विराग

ज्ञान = विज्ञान

सु + लभ = सुलभ

गम = सुगम

सह + योग = सहयोग

मत = सहमत

कम + ज़ोर = कमज़ोर

प्रत्यय – जो शब्दांश किसी शब्द के अंत में जुड़कर उसके अर्थ को बदल देते हैं उसे प्रत्यय कहते है ।

उदाहरण – मीठा शब्द में ‘आई’ प्रत्यय जोड़ने से ‘मिठाई’ शब्द बनता है ।

प्रमुख प्रत्यय और उनसे जुड़े शब्द इस प्रकार हैं –

प्रत्यय	मूल शब्द	नवीन शब्द
ता	कवि	कविता
	सुंदर	सुंदरता
	लघु	लघुता

इक + दिन = दैनिक

देह = दैहिक

वा + दिखा = दिखावा

पहना = पहनावा

पन + बालक = बालकपन

समास – समास का शाब्दिक अर्थ है – संक्षिप्त करना । जब दो या दो से अधिक सार्थक शब्दों को मिला कर एक शब्द बना दिया जाए तो उस प्रकिया को समास कहा जाता है ।

उदाहरण –

महान है जो मानव = महामानव

समास के छः प्रकार या भेद होते हैं -

1. द्वंद्व समास
2. द्विगु समास
3. कर्मधारय समास
4. बहुब्रीहि समास
5. अव्ययीभाव समास
6. तत्पुरुष समास

1. द्वन्द्व समास – इस समास में पूर्व पद और उत्तर पद दोनों प्रधान होते हैं और दोनों शब्दों में 'और' शब्द का लोप होता है ।

द्वंद्व समास की उदाहरणें –

माता-पिता

भाई-बहन

गुण-दोष

नर-नारी

अपना-पराया

हाथ-पैर

अमीर-गरीब

2 द्विगु समास – इस समास में पूर्व पद संख्यावाचक तथा उत्तरपद संख्या का विशेष्य होता है ।

द्विगु समास की उदाहरणें –

त्रिदेव – तीन देवों का समूह

दुधारी – दो धार वाला

सतसई – सात सौ दोहों का समूह

3. कर्मधारय समास – इस समास में पहला पद विशेषण और उत्तर पद विशेष्य होता है ।

कर्मधारय समास के उदाहरण –

नीलकमल
चंद्रमुख
शुभकर्म
नीलगगन

4. बहुब्रीहि समास – इस समास में पूर्वपद और उत्तर पद प्रधान ना होकर अन्य पद प्रधान होता है ।

बहुब्रीहि समास की उदाहरणें—

एकदंत – एक दाँत है जिसका अर्थात् गणेश

पीताम्बर – पीला है वस्त्र जिसका अर्थात् कृष्ण

दशानन – दस है मुख जिसके अर्थात् रावण

5. अव्ययीभाव समास – इसमें प्रथम पद अव्यय होता है और उसका अर्थ प्रधान होता है । अव्यय पद का प्रारूप लिंग , वचन , कारक में नहि बदलता है, वो हमेशा एक जैसा रहता है ।

संस्कृत में उपसर्ग युक्त पद भी अव्ययीभाव समास माने जाते हैं ।

अव्ययीभाव समास की उदाहरणें –

यथानियम
यथास्थान
प्रतिपल
प्रतिवर्ष
भरपेट

6. तत्पुरुष समास – इसमें दूसरा पद प्रधान होता है ।

तत्पुरुष समास की उदाहरणें -

देशभक्ति – देश के लिए भक्ति

राजपुत्र – राजा का पुत्र

राजमहल – राजा का महल

तत्पुरुष समास के भेद –

१ कर्म तत्पुरुष समास
२ करण तत्पुरुष समास
३ संप्रदान तत्पुरुष समास
४ अपादान तत्पुरुष समास
५ संबंध तत्पुरुष समास
६ अधिकरण तत्पुरुष समास

१. कर्म तत्पुरुष समास – इसमें दो पदों के बीच में कर्मकारक छिपा होता है ।

कर्म तत्पुरुष समास के उदाहरण –

जनप्रिय – जन को प्रिय

रथचालक – रथ को चलाने वाला

मनोहर – मन को हरने वाला

२. करण तत्पुरुष समास – इसमें दो पदों के बीच करण कारक छिपा होता है ।

करण तत्पुरुष समास के उदाहरण –

मनचाहा – मन से चाहा

रसभरा – रस से भरा

तुलसीकृत – तुलसी द्वारा रचित

स्वरचित - स्व द्वारा रचित

३. संप्रदान तत्पुरुष समास – इसमें दो पदों के बीच संप्रदान कारक छिपा होता है ।

संप्रदान तत्पुरुष समास के उदाहरण –

रसोईघर – रसोई के लिए घर

प्रयोगशाला – प्रयोग के लिए शाला

देशभक्ति – देश के लिए भक्ति

४. अपादान तत्पुरुष समास – इसमें दो पदों के बीच

अपादान कारक छिपा होता है ।

अपादान तत्पुरुष समास के उदाहरण –

पापमुक्त – पाप से मुक्त

वनरहित – वन से रहित

रोगमुक्त – रोग से मुक्त

५. सम्बन्ध तत्पुरुष समास – इसमें दो पदों के बीच सम्बन्ध कारक छिपा होता है ।

सम्बन्ध कारक के उदाहरण –

राजपुत्र – राजा का पुत्र

देवपूजा – देव की पूजा

पराधीन – पर के अधीन

६. अधिकरण तत्पुरुष समास – इसमें दो पदों के बीच अधिकरण कारक छिपा होता है ।

अधिकरण कारक के उदाहरण –

वनवास – वन में वास

लोकप्रिय – लोक में प्रिय

सिरदर्द – सिर <u>में</u> दर्द

आत्मविश्वास – आत्मा <u>में</u> विश्वास

आपबीती – आप <u>पर</u> बीती ।

निष्कर्ष – निष्कर्ष रूप में कहा जा सकता है कि हिंदी भाषा में उपसर्ग, प्रत्यय और समास से नए शब्दों का निर्माण होता है । जिनका कोई नया अर्थ होता है ।